

## बच्चेदानी के बाहर आ गया था प्लेसेंटा सर्जरी कर बचाई मां-बच्चे की जान 53

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू में डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर महिला और नवजात की जान बचाई। करीब ढाई घंटे तक चली सर्जरी के बाद महिला और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

प्रसव पीड़ा से परेशान करीब 30 वर्षीय महिला को परिजन स्त्री रोग विभाग में लेकर आए। विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता राय ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और पेशाब की थैली से चिपक गया था। इस परिस्थिति में सर्जरी करना इसलिए भी जटिल हो जाता है क्योंकि ज्यादा खून बहने से मरीज व नवजात दोनों की जान का खतरा रहता है। सोमवार को रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए यानी डिजिटल सबस्ट्रक्शन एंजियोग्राफी लैब में सर्जरी की

### बीएचयू के रेडियोलॉजी विभाग में ढाई घंटे तक चली सर्जरी

गई। इस दौरान महिला के बच्चेदानी की नस में एक कैथेटर डाला गया, जिससे कि उसके शरीर से खून ज्यादा बाहर न निकल पाए और खून का प्रवाह सामान्य तरीके से होता रहे। फिर सर्जरी कर बच्चे को सुरक्षित निकाला गया। इसके बाद महिला की बच्चेदानी निकाली गई।

टीम में ये डॉक्टर रहे शामिल : प्रो. संगीता राय के निर्देशन में हुई सर्जरी में यूरोलॉजी से डॉ. उज्ज्वल, रेडियोलॉजी से डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. पीके सिंह, डॉ. ईशान कुमार, एनेस्थीसिया से डॉ. अरुण के साथ ही एमसीएच विंग के रेजिडेंट व नर्सिंग स्टाफ का भी सहयोग रहा। ब्यूरो

## बीएचयू में प्लेसेंटा परक्रेटा का सफल प्रबंधन

जासं, वाराणसी : बीएचयू के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के डॉक्टरों ने सर्जरी के माध्यम से महिला का प्लेसेंटा परक्रेटा का सफल प्रबंधन किया है, इस दौरान न्यूनतम रक्त हानि हुई। अमूमन इस समस्या के दौरान प्रसव पीड़िता को काफी रक्तसाव होता है। मंगलवार को रेडियोलॉजी विभाग की तरफ से सर्जरी के दौरान नई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। प्लेसेंटा परक्रेटा के दौरान मूत्राशय में समस्या थी। यह दुर्लभ और उच्च जोखिम

वाली स्थिति रहती है, जो अक्सर गंभीर जटिलताओं से जुड़ी होती है। मां और बच्चे की सुरक्षा की गई। जटिल प्रक्रिया की शुरुआत द्विपक्षीय सामान्य इलियाक धमनियों के बैलून अवरोधन से हुई, जिसे डा. आशीष वर्मा, डा. ईशान कुमार और डा. पीके सिंह ने अंजाम दिया। प्रभावित क्षेत्र में रक्त के प्रवाह को कम करने के लिए डिजाइन किए गए इस महत्वपूर्ण कदम के बाद डा. संगीता राय की टीम ने सर्जिकल हस्तक्षेप किया।

## बीएचयू के डॉक्टरों ने बचाई महिला व नवजात की जान

### नेक कार्य

पीड़ित महिला की बच्चेदानी के बाहर आ गया था प्लेसेंटा, ढाई घंटे चला ऑपरेशन

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के स्त्री रोग विभाग में आई एक गर्भवती का डॉक्टरों की टीम ने मंगलवार को जटिल आपरेशन कर महिला और नवजात की जान बचाई। करीब ढाई घंटे तक चले आपरेशन के बाद महिला और उसका बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। प्रसव पीड़ा से परेशान करीब 30 वर्षीय महिला को परिजन बीएचयू अस्पताल के स्त्री रोग विभाग लेकर आए थे।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संगीता राय के अनुसार, रेडियोलॉजी विभाग में अल्ट्रासाउंड व एमआरआई कराया



गया। जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और पेशाब की थैली से भी चिपक गया था। इस परिस्थिति में आपरेशन करना इसलिए भी जटिल हो जाता है क्योंकि ज्यादा खून बहने तथा मरीज व नवजात दोनों की जान जाने का खतरा ज्यादा रहता है। रेडियोलॉजी विभाग और यूरोलॉजी

विभाग की टीम के साथ बातचीत कर आपरेशन का निर्णय लिया गया। रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए यानी डिजिटल सबस्ट्रक्शन एंजियोग्राफी लैब में आपरेशन हुआ। इस दौरान महिला के बच्चेदानी की नस में एक बैलून कैथेटर डाला गया, जिससे कि शरीर से खून ज्यादा बाहर न निकल पाए और खून का प्रवाह सामान्य

तरीके से होता रहे। फिर आपरेशन कर बच्चे को सुरक्षित निकाल लिया गया। इसके बाद महिला की बच्चेदानी को पूरा निकाला गया। खास बात यह रही कि इस पूरे आपरेशन के दौरान महिला के शरीर से खून बहुत कम बहे। आमतौर पर इस तरह के जटिल आपरेशन के दौरान शरीर से सबसे ज्यादा खून निकलता है। मरीज की जान को भी ज्यादा खतरा रहता है।

### टीम में ये डॉक्टर रहे शामिल

स्त्री रोग विभाग से प्रो. संगीता राय के निर्देशन में हुए आपरेशन में यूरोलॉजी से डा. उज्ज्वल, रेडियोलॉजी से डा. आशीष वर्मा, डा. पीके सिंह, डा. ईशान कुमार, एनेस्थीसिया से डा. अरुण के साथ ही एमसीएच विंग के रेजिडेंट, नर्सिंग स्टाफ का भी सहयोग रहा।

## जटिल सर्जरी कर जच्चा- बच्चा की बचाई जान

वाराणसी। बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के स्त्री रोग विभाग में गर्भवती महिला का जटिल सर्जरी डॉक्टरों ने जच्चा-बच्चा की जान बचाई है। करीब ढाई घंटे तक चली सर्जरी के बाद महिला और उसका बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

प्रसव पीड़ा होने पर 30 वर्षीय महिला को लेकर परिजन बीएचयू अस्पताल आए थे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संगीता राय ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और यूरिन की थैली से चिपक गया था।

इस परिस्थिति में सर्जरी करना जटिल हो जाता है। उन्होंने कहा कि रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए (डिजिटल सबस्ट्रक्शन एंजियोग्राफी) लैब में सर्जरी हुई। इस दौरान महिला के बच्चेदानी की नस में एक बैलून कैथेटर डाला गया, जिससे कि शरीर से खून ज्यादा बाहर न निकल पाए और खून का प्रवाह सामान्य तरीके से होता रहे। फिर सर्जरी कर बच्चे को सुरक्षित निकाला गया। इसमें डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. ईशान कुमार और डॉ. पीके सिंह, डॉ. उज्ज्वल का सहयोग रहा।

## जटिल सर्जरी से मां बेटे की बचाई जान

वाराणसी। बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के स्त्री रोग विभाग में गर्भवती महिला का जटिल सर्जरी डॉक्टरों ने जच्चा-बच्चा को जान बचाई है। प्रसव पीड़ा होने पर 30 वर्षीय महिला को लेकर परिजन बीएचयू अस्पताल आए थे।

विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता राय ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि महिला की बच्चेदानी के बाहर प्लेसेंटा आ गया था और यूरिन की थैली से चिपक गया था। इस परिस्थिति में सर्जरी करना जटिल हो जाता है। उन्होंने कहा कि रेडियोलॉजी विभाग के डीएसए लैब में सर्जरी हुई। इसमें डॉ. आशीष, डॉ. ईशान, डॉ. पीके सिंह का सहयोग रहा।

## प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार

जासं, वाराणसी : बीएचयू के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी का प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा



एंडाउमेंट पुरस्कार 2023-24' के लिए चुना गया है। उन्होंने वायु, जल व मृदा प्रदूषण में शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उनको फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार आदि मिल चुका है। यह पुरस्कार उनको 20 फरवरी को जीबी पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय पंतनगर में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।



## प्रो. मधुलिका को मिलेगा विज्ञान का राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी। बीएचयू में  
वनस्पति विज्ञान विभाग  
की पूर्व डीन प्रो. मधुलिका  
को विज्ञान का राष्ट्रीय  
पुरस्कार मिलेगा। उन्हें  
राष्ट्रीय कृषि विज्ञान  
एकेडमी के प्रतिष्ठित प्रो.  
प्रेम दुरेजा एंडोनमेंट



पुरस्कार के लिए चुना गया है। अगले महीने 20  
फरवरी को उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय कृषि  
सम्मेलन में उन्हें ये सम्मान दिया जाएगा। प्रो.  
मधुलिका ने हवा, पानी और मिट्टी में मिले  
प्रदूषक तत्वों और जलवायु परिवर्तन से पौधों पर  
पड़ने वाले प्रभावों पर गहन रिसर्च किया है। उन्हें  
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय  
पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। ब्यूरो

### प्रो. मधूलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी। बीएचयू के वनस्पति विज्ञान की प्रो. मधूलिका अग्रवाल को जेसी बोस नेशनल फेलो एवं पूर्व संकायाध्यक्ष को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी का प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा एंडाउमेंट पुरस्कार' 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो. अग्रवाल ने वायु, जल तथा मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उन्हें फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान एकेडमी, राष्ट्रीय एकेडमी ऑफ साइंस तथा राष्ट्रीय कृषि एकेडमी की फेलो भी हैं। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेडमी के अध्यक्ष प्रो. हिमांशु पाठक के पत्रानुसार प्रो. अग्रवाल को यह पुरस्कार 20 फरवरी को जीबी पंत कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पतनगर में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।



13

## प्रो. मधूलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय पुरस्कार 6

वाराणसी। वनस्पति विज्ञान, बीएचयू की प्रो.मधूलिका अग्रवाल, जेसी बोस नेशनल फेलो



एवं पूर्व संकायाध्यक्ष को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेदमी का प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा एन्डाउमेन्ट पुरस्कार' 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो.

अग्रवाल ने वायु, जल तथा मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उनको फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार, विवि अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान एकेदमी, राष्ट्रीय एकेदमी ऑफ साइंस तथा राष्ट्रीय कृषि एकेदमी की फेलो भी हैं। प्रो. हिमान्शु पाठक, अध्यक्ष, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान एकेदमी के पत्रानुसार डॉ. अग्रवाल को यह पुरस्कार उनको 20 फरवरी 25 को जीबी पन्त कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा।



### प्रोफेसर मधूलिका अग्रवाल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वनस्पति विज्ञान की प्रोफेसर मधूलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी का प्रतिष्ठित प्रोफेसर प्रेम दुरेजा एन्डाउमेन्ट पुरस्कार २०२३-२४ के लिए चुना गया है। प्रोफेसर अग्रवाल को यह पुरस्कार उनको २० फरवरी को जी.बी. पन्त कृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, पन्तनगर में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में प्रदान किया जायेगा। प्रोफेसर अग्रवाल ने वायु जल तथा मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर विशेष अध्ययन किया है। इसके पूर्व में भी उनको फुलब्राइट फेलोशिप, प्रोफेसर हरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रोफेसर पी.शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय अकादमी ऑफ साइंस तथा राष्ट्रीय कृषि अकादमी की फेलो भी हैं।

# बीएचयू की प्रो. मधुलिका को राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा एंडाउमेंट पुरस्कार' 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो. अग्रवाल ने वायु, जल और मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर अध्ययन किया है।

बीएचयू के विज्ञान संकाय की पूर्व अध्यक्ष प्रो. अग्रवाल जेसी बोस फेलो भी हैं। इसके पूर्व उन्हें फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। वह भारत की



प्रो. मधुलिका अग्रवाल।

प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय साइंस अकादमी तथा राष्ट्रीय कृषि अकादमी की फेलो भी है। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष प्रो. हिमांशु पाठक के पत्र के अनुसार डॉ. अग्रवाल को 20 फरवरी को प्रंतनगर स्थित जेबी पंत कृषि एवं तकनीकी विवि में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान सम्मानित किया जाएगा।

# बीएचयू की प्रो. मधुलिका को राष्ट्रीय पुरस्कार

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। बीएचयू के वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रो. मधुलिका अग्रवाल को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के प्रतिष्ठित 'प्रो. प्रेम दुरेजा एंडाउमेंट पुरस्कार' 2023-24 के लिए चुना गया है। प्रो. अग्रवाल ने वायु, जल और मृदा प्रदूषण में उल्लेखनीय शोध कार्य के साथ जलवायु परिवर्तन का पौधों पर पड़ने वाले प्रभाव पर अध्ययन किया है।

बीएचयू के विज्ञान संकाय की पूर्व अध्यक्ष प्रो. अग्रवाल जेसी बोस फेलो भी हैं। इसके पूर्व उन्हें फुलब्राइट फेलोशिप, प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती



प्रो. मधुलिका अग्रवाल।

पुरस्कार, प्रो. पी. शील मेमोरियल पुरस्कार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का राष्ट्रीय पर्यावरण पुरस्कार भी मिल चुका है। 20 फरवरी को पंतनगर स्थित में राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

# बीएचयू अस्पताल में बढ़ेंगी सुविधाएं, उपचार आसान

जागरण संवाददाता, वाराणसी : सरकार की पलकों पर सवार बनारस में सेहत इंतजाम इस साल और बेहतर होंगे। बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान को एम्स की तरह सुविधाएं देने की कोशिश धरातल पर उतर रही है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और एम्स नई दिल्ली के मध्य एमओयू हुआ है। 470 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है।

कई आधुनिक उपकरण सर्जरी को आसान बनाएंगे। यहां के डाक्टर उपचार के नए तरीके सीखने के लिए एम्स जाएंगे। बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल, ट्रामा सेंटर, आयुर्वेद और दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय में प्रतिदिन 20 हजार से अधिक मरीजों का उपचार होता है। पूर्वांचल, बिहार, बंगाल और मध्य प्रदेश से आने वाले इन मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देना चुनौतीपूर्ण है। कारण कि यहां पर सुविधाओं का अभाव है। एम्स जैसी सुविधा मिलेगी तो निश्चित रूप से

सीसीआई और जेरियाट्रिक अस्पताल से गंभीर और बुजुर्गों को मिलेगी राहत, लेसिक सर्जरी से नेत्र रोगी हटाएंगे चश्मा



दवाएं व जांच सस्ती हो जाएगी। अस्पताल प्रशासन को इस समय वार्षिक दो लाख रुपये प्रति बेड का बजट मिलता है, यहां पर करीब 2600 बेड उपलब्ध हैं। नए प्रयास से बजट राशि छह गुना अधिक बढ़ जाएगी। डाक्टरों व कर्मचारियों के

## 15 प्रतिशत पूर्ण हुई दो परियोजनाएं

बीएचयू परिसर में 200 बेड का जेरियाट्रिक सेंटर का निर्माण युद्धस्तर पर चल रहा है। नवंबर में कार्य पूरा हो जाएगा। सवा सौ करोड़ की इस परियोजना से बुजुर्गों को लाभ मिलेगा। विभागों का लोड कम होगा। इसी तरह ट्रामा सेंटर परिसर में 150 बेड का क्रिटिकल केयर ब्लॉक बन रहा है। यह कार्य भी अक्टूबर तक पूर्ण हो जाएगा। 30 बेड का बर्न वार्ड भी है, जो झूलसे हुए रोगियों को राहत पहुंचाएगा। दोनों परियोजनाएं 15 प्रतिशत पूर्ण हो चुकी हैं। उपकरण खरीदने का प्रस्ताव भी मंत्रालय को भेजा जा चुका है।

## कई विभागों की दिक्कतें दूर होने की उम्मीद

फारेंसिक विभाग में पोस्टमार्टम सुविधा को विस्तार मिलने की भी आस अधूरी रह गई है। स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जरूर अंतिम निर्णय हो सकता है। कार्डियोलॉजी विभाग में बेड बढ़ाने पर भी अंतिम निर्णय हो सकता है। रोबोटिक सर्जरी के जरिए उपचार आसान होगा। उधर भरथुआ व उदयपुर पीएचसी का निर्माण हो चुका है। अगले साल से यहां पर सुविधाएं बेहतर होंगी।

वेतनमान में वृद्धि होगी। नए शोध को बढ़ावा मिलेगा। नए वर्ष में यह कार्य पूर्ण होने की उम्मीद है। आइवीएफ सुविधा से निःसंतान दंपति को लाभ, बढ़ेंगे डायलिसिस के बेड: क्षेत्रीय नेत्र संस्थान में इस साल लेसिक सर्जरी की सुविधा शुरू

हो जाएगी। एमसीएच विंग में महिलाओं के लिए डायलिसिस के दो नए बेड की व्यवस्था होगी। यह शहर की बड़ी समस्या है। इसके अलावा आइवीएफ की व्यवस्था शुरू होने निःसंतान दंपति को राहत मिल सकेगी।



# बीएचयू : कॉरपोरेट अनुभव देने के लिए नियुक्त होंगे 50 स्पेशल टीचर

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम में मिलेगा कंपनी रूटीन का व्यावहारिक ज्ञान

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। नई शिक्षा नीति के तहत कॉरपोरेट प्रोफेशनल्स को बीएचयू में क्लास लेने का मौका मिलेगा। छात्रों को किताबी ज्ञान देने के साथ ही मल्टीनेशनल कंपनी की कार्य प्रणाली समझाई जाएगी। उन्हें कंपनियों का दौरा भी कराया जाएगा। इसके लिए बीएचयू में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम की शुरुआत की जाएगी। इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस फंड के तहत कुल 50 प्रोफेसरों की नियुक्ति होगी। ये सभी इंडस्ट्रीज के कार्यरत या रिटायर्ड उद्यमी, नौकरीपेशा और एकेडमिक से जुड़े विद्वान होंगे।

26 दिसंबर को बीएचयू की एकेडमिक काउंसिल की बैठक में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस स्कीम का प्रस्ताव दिया गया। इस पर चर्चा कर अगली बैठक में अनुमति दी जाएगी। इसके बाद प्रोफेसरों की नियुक्तियां शुरू होंगी। इस स्कीम के तहत विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को इंडस्ट्रीज से जोड़कर फील्ड का अनुभव देना है। छात्र-छात्राएं उद्यमियों के साथ काम करेंगे। कोर्स के साथ उन्हें पूरे कंपनी रूटीन का व्यावहारिक ज्ञान मिलेगा।

जूनियर फैकल्टी और छात्रों को गाइडेंस और मेंटरशिप दी जाएगी। इंडस्ट्रीज पार्टनर बनाए जाएंगे। संस्थान और कंपनियां मिलकर रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। किसी इंडस्ट्री में नवाचार और बेहतर



परफॉर्मेंस वाले प्रोजेक्ट को छात्र-छात्राओं के साथ साझा किया जाएगा।

**इंडस्ट्रीज के मानक पर तैयार होंगे एकेडमिक प्रोग्राम :** इंडस्ट्रीज के मानक और कार्यप्रणाली के तौर पर एकेडमिक प्रोग्राम तैयार किए जाएंगे। छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान और प्रतिस्पर्धी वातावरण दिया जाएगा। बीएचयू अलग-अलग कंपनियों के साथ साझेदारी करेगा।

**बीएचयू और इंडस्ट्री देंगे वेतन :** वेतन दो तरह से दिया जाएगा। एक बीएचयू फंडेड और दूसरा इंडस्ट्री स्पॉन्सर्ड होगा। यानी बीएचयू और कंपनियां दोनों मिलकर वेतन का खर्च वहन करेंगे। वहीं, कुछ ऐसे भी प्रोफेसर होंगे, जिन्हें वेतन के बजाय सम्मान, सेवा और ठहरने के लिए गेस्ट हाउस आदि की व्यवस्था कर दी जाएगी।

**वेबसाइट पर मिलेगी जानकारी :** वैकेंसी की जानकारी बीएचयू और इंडस्ट्री की आधिकारिक

वेबसाइट पर जारी की जाएगी। बीएचयू के प्रोफेसर की भी सीवी को नॉमिनेट किया जा सकता है। शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। कुलपति की अनुमति के बाद 50 प्रोफेसरों की नियुक्ति की जाएगी। ये नियुक्ति एक से तीन साल के लिए की जाएगी।

## राजनारायण ने 80 बार की जेल यात्रा

वाराणसी। बीएचयू के बिड़ला हॉस्टल में स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता लोकबन्धु राजनारायण की पुण्यतिथि पर छात्रों ने श्रद्धांजलि दी। राज नारायण इसी हॉस्टल में रहकर अंग्रेजों के विरुद्ध अपनी गतिविधियां संचालित करते थे। उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। छात्र नेता अभिषेक सिंह काली ने कहा कि उन्होंने लगभग 80 बार जेल यात्राएं कीं। राज नारायण ने यहीं से भारत छोड़ो आंदोलन की अगुवाई की थी। पूरे यूपी और बिहार को उन्होंने जोड़ा। सेनानी के तौर पर वह तीन साल जेल में भी रहे। उन्हीं के नेतृत्व में अनुसूचित जाति के लोगों को काशी विश्वनाथ मंदिर में प्रवेश का अधिकार मिला। इस दौरान अभय सिंह मिर्का, शम्मी सिंह और सूबेदार सिंह आदि मौजूद रहे।



## एमपीयूएटी उदयपुर के पूर्व ११

### कुलपति प्रो. आरपी का निधन

वाराणसी : बीएचयू के कृषि विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ आचार्य व डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजेश सिंह के पिता प्रो. आरपी सिंह का मंगलवार को लखनऊ में देहांत हो गया। प्रो. आरपी सिंह एमपीयूएटी उदयपुर के कुलपति एवं एएनडीयूएटी कुमारगंज फैजाबाद के उप कुलपति भी रहे चुके थे। उनका अंतिम संस्कार वैकुंठ नदी के घाट पर हुआ। वह जौनपुर के चंदवक के निवासी थे। (जासं)

# कराटे प्रतियोगिता में मेघालय की टीम बनी चैंपियन, हासिल किए 107 मेडल

जागरण संवाददाता, वाराणसी : जापान शोतोकान कराटे डो कानिनजुक् अगोनाइजेशन इंडिया की ओर से दैनिक जागरण के सहयोग से राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन बीएचयू के विभूति नारायण इंडोर हाल में हुआ। इसमें सबसे अधिक 107 मेडल हासिल करके मेघालय की टीम चैंपियन बनी।

79 पदक के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे व 56 पदक के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रही। मुकाबलों से पहले मुख्य प्रशिक्षक परमजीत सिंह एवं सुमा सिंह ने दीप जलाकर कर चैंपियनशिप का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, उड़ीसा, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, झारखंड, बिहार, मेघालय, असम व उत्तर प्रदेश



राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का दीप जलाकर उद्घाटन करते अतिथिगण • जाबराण



बीएचयू स्थित एफ़ी, थियेटर मैदान में दैनिक जागरण व जापान शोतोकान कराटे डो कानिनजुक् अगोनाइजेशन इंडिया की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में अपनी कला का प्रदर्शन करते खिलाड़ी • जाबराण

के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। उत्तर प्रदेश की टीम में शामिल वाराणसी के देवेन्द्र राय, आरुष, तेजस पाटील, सतेज, स्नेहल, ने पदक जीता। वाराणसी विकास बोर्ड के सदस्य अम्बरीश सिंह मौला, देव भट्टाचार्या ने खिलाड़ियों को मेडल प्रदान किया। प्रतियोगिता का संचालन अरविंद कुमार यादव ने किया। 'खेलोत्सव' में खेलो हाउस बना

चैंपियन: महात्मा मेमोरियल एकेडमी व महात्मा मेमोरियल इंटर कालेज बुज इक्लेव सुंदरपुर में वार्षिक 'खेलोत्सव' का मुख्य आकर्षण 'खो-खो, कबड्डी, वालीबाल, बैडमिंटन, ऊंची कूद, लंबी कूद, स्प्रिंकल चेंयर, बैलून रेस रही। प्रतियोगिता को कुल चार भागों ग्रीन हाउस, येलो हाउस, रेड हाउस, व्हाइट हाउस में में बांटा गया था। इसमें लगभग 150 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। खेलेत्सव में प्रथम स्थान पर येलो हाउस, द्वितीय स्थान पर ग्रीन हाउस तथा तृतीय स्थान पर रेड हाउस रहा।

## प्रो. अमित पात्रा को आइआईटी खड़गपुर का अतिरिक्त कार्यभार

जागरण संवाददाता, वाराणसी : आइआईटी  
बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने मंगलवार  
को आइआईटी खड़गपुर के  
निदेशक का अतिरिक्त  
कार्यभार संभाल लिया। जब  
तक नियमित निदेशक  
कार्यभार नहीं ग्रहण करते या  
फिर आगामी आदेश तक,  
जो भी पहले हो तब तक प्रो.



प्रो. अमित पात्रा

अमित पात्रा यह जिम्मेदारी निभाएंगे। वह  
आइआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र हैं और संस्थान  
में उनका लंबा करियर रहा है। वहां पर उन्होंने  
कई महत्वपूर्ण नेतृत्व पदों पर कार्य किया है।

## आईआईटी निदेशक को अतिरिक्त प्रभार

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा को मंगलवार को आईआईटी खड़गपुर के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार प्रदान किया गया। जब तक स्थाई निदेशक की नियुक्ति नहीं हो जाती है तब तक वह वहां के निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रो. अमित पात्रा आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र भी हैं। वहां कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य भी किया है। 2007 से 2013 तक डीन ऑफ एल्युमिनी अफेयर्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस का पदभार संभाल चुके हैं।

## आईआईटी निदेशक को अतिरिक्त प्रभार

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा को मंगलवार को आईआईटी खड़गपुर के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार प्रदान किया गया। जब तक स्थाई निदेशक की नियुक्ति नहीं हो जाती है तब तक वह वहां के निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रो. अमित पात्रा आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र भी हैं। वहां कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य भी किया है। 2007 से 2013 तक डीन ऑफ एल्युमिनी अफेयर्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस का पदभार संभाल चुके हैं।

# प्रो. अमित पात्रा को आईआईटी खड़गपुर के निदेशक की अतिरिक्त जिम्मेदारी

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा अब आईआईटी खड़गपुर के निदेशक की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने मंगलवार को खड़गपुर के अतिरिक्त निदेशक का कार्यभार भी संभाल लिया। स्थायी निदेशक की नियुक्ति तक प्रो. पात्रा खड़गपुर के निदेशक पद पर बने रहेंगे।

पेसा पहली बार हुआ जब आईआईटी बीएचयू के निदेशक को यहां से करीब 700 किलोमीटर दूर आईआईटी खड़गपुर के अतिरिक्त निदेशक का पदभार दिया

प्रो. पात्रा आईआईटी खड़गपुर के ही पूर्व छात्र हैं और संस्थान में उनका लंबा और प्रतिष्ठित करिअर रहा है। उन्होंने यहां पर 2007 से 2013 तक डीन की जिम्मेदारी संभाली थी। 2021 से 2024 तक संस्थान के उपनिदेशक भी रहे।

उन्होंने बोटिक, एमटेक और पीएचडी आईआईटी खड़गपुर से किया है। 1987 से वहीं पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में प्रोफेसर रहे। उन्होंने अब तक पोवर मैनेजमेंट सर्किट, भविष्यवाणी, एंबेडेड कंट्रोल प्रणाली और वोल्टएक्सआई डिजाइन पर रिसर्च किया है।



आईआईटी खड़गपुर के निदेशक का कार्यभार लेने प्रो. अमित पात्रा। आईआईटी खड़गपुर के निदेशक प्रो. पीके जैन को आईआईटी पटना की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई थी।

आईआईटी बीएचयू में इंस्टीट्यूट रैंकिंग कमेटी गठित की गई है। ये कमेटी एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क), यूएस और एआईएसएचई रैंकिंग को बेहतर करने पर काम करेगी। साथ ही ये कमेटी डेटा सेल यूजर कमेटी का भी काम करेगी। सभी विभागों में शोध और शिक्षा के स्तर के अनुसार रैंकिंग का डाटा जुटाने के साथ ही वैश्विक रैंकिंग एजेंसियों की मॉनिटरिंग भी करेगी। इस कमेटी के अध्यक्ष निदेशक प्रो. अमित पात्रा हैं।

उपाध्यक्ष प्रो. विकास कुमार दुबे और प्रो. सैथिल राजा व प्रो. हरी प्रभात गुप्ता को सदस्य बनाया गया है। निदेशक के सचिव कमेटी के संयोजक हैं।

इंस्टीट्यूट रैंकिंग कमेटी गठित

स्टूडेंट्स कमेटी भी बनी

आईआईटी बीएचयू में स्टूडेंट्स वेलफेयर कमेटी का गठन किया गया है। ये कमेटी छात्र कल्याण फंड के स्रोतों और इसके इस्तेमाल को लेकर ड्राफ्ट तैयार करेगी। इसे संस्थान में जमाकर छात्रों की एक्टिविटी से जुड़े कामों को कराया जाएगा। इस कमेटी में डीन (स्टूडेंट्स अफेयर्स) को अध्यक्ष और रजिस्ट्रार को सचिव की जिम्मेदारी देने के साथ ही चार सदस्य भी नियुक्त किए गए हैं। कार्डमिल ऑफ वार्डन के चेयरमैन, विभागों के हेड और निदेशक द्वारा नामित छात्र प्रतिनिधि और निदेशक द्वारा नामित सदस्यों को कमेटी में रखा जाएगा।



# सरकार व एजेंसियों से मिलेंगे पीएचडी स्टूडेंट्स को प्रोजेक्ट

**i UPDATE**

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

आईआईटी बीएचयू में शोध को गति देने के लिए 10 से ज्यादा युवा वैज्ञानिकों की होगी भर्ती

जॉब की प्रक्रिया भी हुई शुरू  
50 हजार रुपये तक दिया जाएगा वेतन

varanasi@inext.co.in

**VARANASI (31 Dec):**

आईआईटी बीएचयू के पीएचडी स्टूडेंट के लिए अच्छी खबर है. अब शोध करने वालों को 50 हजार तक वेतन भी दिया जाएगा. भारत सरकार और अन्य एजेंसियों ने मिलकर यह जिम्मेदारी उठाई है. आईआईटी बीएचयू में शोध को गति देने के लिए 10 से ज्यादा युवा वैज्ञानिकों की भर्ती होगी. इनकी मदद से रक्षा, हेल्थकेयर वेस्ट, 6जी, मिट्टी की जांच, पहाड़ों पर ब्लास्ट के प्रभाव का देशव्यापी अध्ययन होगा. शोध और सर्वे में रुचि रखने वालों को ही इन पदों पर भर्ती



## ई-मेल आईडी पर भेजना है आवेदन

इन सभी पदों के आवेदन की प्रक्रिया एक जैसी है. आईआईटी बीएचयू की वेबसाइट पर अलग-अलग पदों के लिए नोटिफिकेशन के साथ आवेदन भी अपलोड कर दिया गया है. इसी नोटिफिकेशन के साथ ही ईमेल

आईडी का भी लिंक दिया गया है. फॉर्म डाउनलोड करने के बाद प्रिंट आउट कराकर उसे भरें और उसकी स्कैन कॉपी उसी मेल पर भेज दें. विभागों से आवेदनों को शॉर्टलिस्ट कर इंटरव्यू के लिए कॉल किया जाएगा.

मिलेगी. भारत सरकार और रिसर्च एजेंसियों से मिले प्रोजेक्ट में गहन अध्ययन, डेटा जुटाने और रिसर्च के लिए इन्हें रखा जा रहा है. जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ), सीनियर

रिसर्च फेलो (एसएआरएफ), पीएचडी और बीटेक डिग्री धारक इन जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं. वेतन 22 हजार से 50 हजार रुपये तक दिए जाएंगे.

## इन पदों पर होगी भर्ती

मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में पोस्ट डॉक्टोरल पर एक वैज्ञानिक की भर्ती होगी. जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड प्रोजेक्ट पर ये शोधार्थी काम करेंगे. 50 हजार रुपये मासिक वेतन होगा. आवेदन की अंतिम तिथि एक जनवरी यानी आज तक है. 35 साल की उम्र तक के शोधार्थी इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं. केमिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में 37 हजार रुपये के वेतन पर एक जूनियर रिसर्च फेलो की नियुक्ति होगी. आवेदन की अंतिम तिथि 14 जनवरी है. गैस की मदद से टोस कणों को तोड़ने वाले रिपेक्टर यानी कि गैस सोल्लिड रिपेक्शन पर रिसर्च करेंगे. सिविल इंजीनियरिंग में एक जेआरएफ की भर्ती होगी. इन्हें 37 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा. कार्यकाल की अवधि तीन साल की होगी. आवेदन की अंतिम तिथि 8 जनवरी है. सिविल इंजीनियरिंग विभाग में ही तीन पद प्रोजेक्ट ऑफिसर वेतन (50 हजार), जेआरएफ वेतन (37 हजार) और प्रोजेक्ट असिस्टेंट (35 हजार) के पद पर भर्ती होगी.

# 6जी और रक्षा पर भी किए जाएंगे शोध

13

## पहल

आईआईटी बीएचयू में 10 युवा वैज्ञानिकों की होगी भर्ती

सरकार व एजेंसियों से मिले प्रोजेक्ट

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में शोध को गति देने के लिए जल्द ही 10 से ज्यादा युवा वैज्ञानिकों की भर्ती होगी। इनकी मदद से रक्षा, हेल्थकेयर वेस्ट, 6जी, मिट्टी की जांच, पहाड़ों पर ब्लास्ट के प्रभाव का देशव्यापी अध्ययन होगा। शोध और सवें में रुचि रखने वालों को ही इन पदों पर भर्ती दी जाएगी। भारत सरकार और रिसर्च एजेंसियों से मिले प्रोजेक्ट में गहन अध्ययन, डेटा जुटाने और रिसर्च के लिए इन्हें रखा जा रहा है। जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ), सीनियर रिसर्च फेलो (एसएआरएफ), पीएचडी और बीटेक डिग्री धारक इन पदों पर नौकरी के लिए आवेदन कर



सकते हैं। वेतन 22 हजार से 50 हजार रुपये तक दिए जाएंगे। मैटलर्जिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में पोस्ट डॉक्टरल पर एक वैज्ञानिक की भर्ती होगी। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड प्रोजेक्ट पर ये शोधार्थी काम करेंगे। 50 हजार रुपये मासिक वेतन होगा। आवेदन की अंतिम तिथि एक जनवरी है। 35 साल की उम्र तक के शोधार्थी इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। केमिकल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में 37 हजार रुपये के वेतन पर एक जूनियर रिसर्च फेलो की नियुक्ति होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 14 जनवरी है। गैस की मदद से ठोस कणों को तोड़ने वाले रिएक्टर यानी कि गैस सॉलिड रिएक्शन

## इन पदों पर आवेदन की आज अंतिम तिथि

माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग में जूनियर रिसर्च फेलो और प्रोजेक्ट असिस्टेंट की वैकेंसी है। जेआरएफ को 37 हजार और प्रोजेक्ट असिस्टेंट को 22 हजार रुपये हर महीने वेतन के तौर पर दिए जाएंगे। इनकी नियुक्ति दो साल के लिए होगी। संस्थान के स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में हेल्थ केयर वेस्ट और एआई आधारित 5जी स्पेक्ट्रम पर रिसर्च के लिए रिसर्च असिस्टेंट के पद पर भर्ती होनी है। जेआरएफ अभ्यर्थी को 25 हजार और सीनियर रिसर्च फेलो को हर महीने 28 हजार रुपये वेतन के तौर पर दिए जाएंगे। यूपी के निवासी ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकते हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में 37 हजार के मासिक वेतन पर जूनियर रिसर्च फेलो की भर्ती होगी।

## ई-मेल आईडी पर भेजना है आवेदन

इन सभी पदों के आवेदन की प्रक्रिया एक जैसी है। आईआईटी बीएचयू की वेबसाइट पर अलग-अलग पदों के लिए नोटिफिकेशन के साथ आवेदन भी अपलोड कर दिया गया है। इसी नोटिफिकेशन के साथ ही ईमेल आईडी का भी लिंक दिया गया है। फॉर्म डाउनलोड करने के बाद प्रिंट आउट कराकर उसे भरे और उसकी सॉफ्ट कॉपी उसी मेल पर भेज दें। विभागों से आवेदनों को शॉर्टलिस्ट कर इंटरव्यू के लिए कॉल किया जाएगा।

पर रिसर्च करेंगे। सिविल इंजीनियरिंग में एक जेआरएफ की भर्ती होगी। इन्हें 37 हजार रुपये वेतन दिया जाएगा। कार्यकाल की अवधि तीन साल की होगी। आवेदन की अंतिम तिथि आठ

जनवरी है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग में ही तीन पद प्रोजेक्ट ऑफिसर वेतन (50 हजार), जेआरएफ वेतन (37 हजार) और प्रोजेक्ट असिस्टेंट (35 हजार) के पद पर भर्ती होगी।

## आईआईटी में इसी हफ्ते से प्लेसमेंट

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू में दूसरे चरण का प्लेसमेंट जनवरी के पहले हफ्ते से शुरू होगा। इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। दूसरे चरण में ज्यादातर कंपनियां ऑनलाइन साक्षात्कार करती हैं। वहीं दूसरे चरण का प्लेसमेंट 30 अप्रैल तक चलेगा।

कंपनियां आईआईटी को अपनी मांग भेजती हैं। इसके अनुसार प्लेसमेंट सेल आईआईटी छात्रों का चयन कर साक्षात्कार का मौका देता है। पहले चरण का प्लेसमेंट 8 दिसंबर तक चला। इसमें पंजीकृत 1506 छात्र-छात्राओं में 960 को जॉब ऑफर मिला। इसमें 262 विद्यार्थियों का प्री-प्लेसमेंट भी शामिल है।